सांध्य दैनिक
4PM

आपका खाना आपका इलाज होना चाहिए और आपका इलाज आपका खाना होना चाहिए।

-हिप्पोक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 186 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 10 अगस्त, 2024

अमन सहरावत ने लगाया कांसे पर... 7 | झारखंड व राजस्थान में चुनाव पर... 3 | उपचुनाव में जीत के लिए पूरी... 2

धनखड़ के खिलाफ आ सकता है अविश्वास प्रस्ताव

उपसभापति के आचरण से दुखी है विपक्ष

कांग्रेस बोली- उच्च सदन को महत्व नहीं मिल रहा है

» उपराष्ट्रपति के खिलाफ प्रस्ताव पर 87 सांसदों के हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया है। पर उससे पहले सभापति के व्यवहार से क्षुब्ध विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का मन बनाया । दरअसल सदन 12 अगस्त चलने वाला था पर उसे तीन दिन पहले 9 अगस्त को ही स्थगित कर दिया गया। अब आगे की रणनीति सदन के शुरू होने पर ही बन पाएगी। पर जिस तरह से विपक्षी सांसदों के तेवर दिखाई दे रहे हैं ऐसा लगता है कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। 87 सासंदों ने उनके खिलाफ हस्ताक्षर किए हैं।

सूत्रों ने कहा कि विपक्षी दलों के लिए यह बात बहुत चिंताजनक है कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का माइक बार-बार बंद किया जाता है। सूत्र के अनुसार, विपक्ष चाहता है कि सदन नियमों और परंपरा के अनुसार चले और सदस्यों के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं। धनखड़ और इंडिया ब्लॉक पार्टियों के बीच संबंध तब बिगड़ गए जब सूत्रों ने कहा कि वे उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए नोटिस जमा करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, इस तरह के कदम की तकनीकी बातों पर कोई स्पष्टता नहीं है क्योंकि सदन का सत्र नहीं चल रहा है। इससे पहले राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन द्वारा सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताए जाने के बाद आसन और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला।

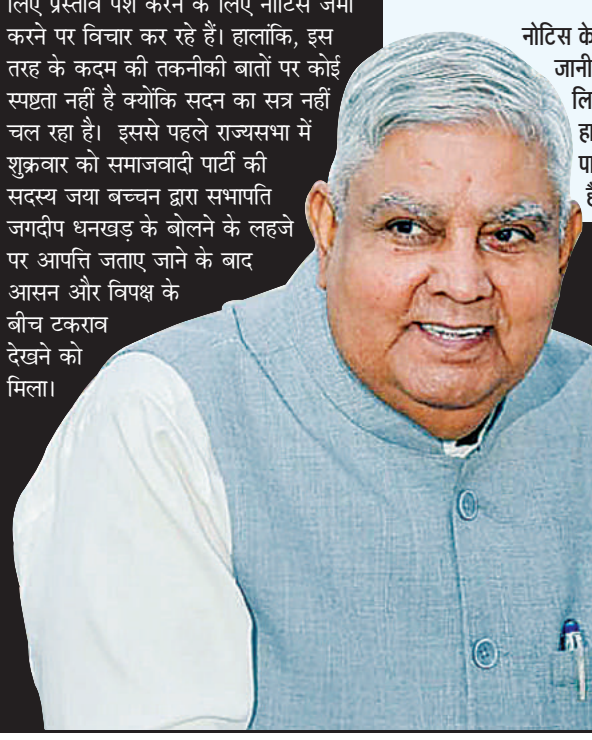

विपक्षी दलों के पास उन्हें हटाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं

नोटिस के समय पर चर्चा की जानी है और निर्णय लिया जाना है। हालांकि प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता है क्योंकि विपक्षी दलों के पास उन्हें हटाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह अध्यक्ष के स्पष्ट रूप से और लगातार पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण को उजागर करने वाला एक बयान होगा। विपक्षी सूत्रों ने कहा कि धनखड़ के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के प्रस्ताव पर 87 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। एक सूत्र ने कहा कि लगभग दो दिन पहले सदन के नेता जेपी नड्डा को अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि विपक्ष उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने पर विचार कर रहा है।

विपक्षी सदस्यों के माइक्रोफोन अक्सर बंद कर दिए जाते हैं : प्रमोद तिवारी

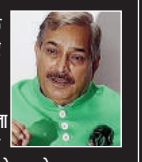

कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने दावा किया कि विपक्ष के नेता खरगे को बोलने की अनुमति नहीं है, उन्हें अक्सर बाधित किया जाता है और उनके माइक्रोफोन अक्सर बंद कर दिए जाते हैं, यह किसी एक पार्टी की बात नहीं है, दो-तीन दिन पहले घनश्याम तिवाड़ी ने नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जो सही नहीं था और अपमानजनक एवं अस्वीकार्य थे। हमने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया थो हम इस पर फैसला जानना चाहते थे, फैसला नहीं आया, यह लिखित में होना चाहिए।

सभापति का दृष्टिकोण पक्षपातपूर्ण : माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, ''विपक्षी दलों को लगता है कि सभापति का दृष्टिकोण पक्षपातपूर्ण है, राज्यसभा एक ऐसा सदन है, जो अन्य विधायिकाओं के लिए मानदंड निर्धारित करता है, उस सदन में, सभापति को पक्षपातपूर्ण नहीं दिखना चाहिए, केवल कांग्रेस ही ऐसा महसूस नहीं करती है, बल्कि सभी विपक्षी दलों को लगता है कि सभापति का व्यवहार एक पक्ष को लेकर पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को उच्च सदन में वह महत्व नहीं मिल रहा है, जिसका वह हकदार है।

अनुच्छेद 67 के तहत नोटिस की तैयारी

विपक्षी दल उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ को पद से 'हटाने के लिए उनके खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत प्रस्ताव लाने की खातिर नोटिस देने पर विचार कर रहे हैं। अनुच्छेद 67(बी) के तहत उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित और लोकसभा द्वारा सहमत एक प्रस्ताव के माध्यम से उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है, हालांकि, इसके लिए कोई भी प्रस्ताव तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक कि प्रस्ताव पेश करने के इरादे से कम से कम 14 दिन का नोटिस न दिया गया हो।

वायनाड के प्रभावित इलाकों का पीएम मोदी ने किया हवाई सर्वेक्षण

प्रधानमंत्री ने राहत शिविर और अस्पताल का भी दौरा किया और आपदा के पीड़ितों और घायलों से मिले

» पीड़ितों से भी की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तरी केरल के वायनाड के आपदा प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया, जहां भूस्खलन ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है। मोदी ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर पर सवार होकर भूस्खलन से तबाह हुए चूरलमाला, मुंडक्कई और पंचिरिमट्टम बस्तियों का हवाई सर्वेक्षण किया, जिसके बाद वे सुबह करीब 11.15 बजे कन्नूर हवाई अड्डे से वायनाड के लिए रवाना हुए।

इससे पहले प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर केरल के सीएम पिनराई विजयन और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने स्वागत किया। मोदी के साथ खान, विजयन और केंद्रीय पर्यटन तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी थे, जो प्रधानमंत्री के साथ एयर इंडिया वन विमान से यात्रा कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री राहत शिविर और अस्पताल का भी दौरा करेंगे और आपदा के पीड़ितों और बचे लोगों से मिलेंगे तथा उनसे बातचीत करेंगे। घटनास्थल का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी घटना और मौजूदा राहत कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

300 से ज़्यादा लोगों की जान गई

केरल के वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में कम से कम 300 लोगों की मौत हो गई थी। 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। सैकड़ों लोग घायल हो गए। भारतीय सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय आपातकालीन प्रतिक्रिया विभागों ने अपना व्यापक खोज और बचाव अभियान जारी रखा है और अब टीमें जंगली इलाकों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। केरल सरकार ने लापता लोगों के परिजनों और स्थानीय निवासियों की मदद से तलाश अभियान चलाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में बोलते हुए वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए 'अधिक मुआवजा' और 'व्यापक पुनर्वास पैकेज' की मांग की।

धन्यवाद मोदी जी, वायनाड जाने के लिए : राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वायनाड दौरे से एक दिन पहले उम्मीद जताई कि वह भूस्खलन की तबाही को देखने के बाद इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करेंगे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, व्यक्तिगत रूप से भयानक त्रासदी का जायजा लेने के वास्ते वायनाड जाने के लिए धन्यवाद, मोदी जी। ये एक अच्छा फैसला है। उन्होंने कहा, किमुझे विश्वास है कि एक बार जब प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष रूप से तबाही के स्तर को देख लेंगे, तो वह इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित कर देंगे।

उपचुनाव में जीत के लिए पूरी ताकत झोंकूंगा: अजय राय

» कांग्रेस ने 10 में से पांच सीटों पर किया दावा

» प्रदेश अध्यक्ष ने शीर्ष नेतृत्व को भेजा प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपचुनावों में जीत के लिए यूपी कांग्रेस ने कमर कसना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी सहयोगी सपा से सीटों के बटवारें को लेकर बात पूरी नहीं हुई है। वहीं प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में पांच पर कांग्रेस ने दावा किया है।

कांग्रेस ने गाजियाबाद, फूलपुर, खैर, मीरापुर और मझंवा सीट मांगी है। प्रदेश नेतृत्व ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को इस संबंध में प्रस्ताव भेज दिया है। यह भी बताया है कि इन सीटों पर व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि इंडिया गठबंधन के तहत पार्टी ने पांच सीटों पर उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी शीर्ष नेतृत्व को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है। जिन सीटों पर दावा किया गया है, वह भाजपा और उसके सहयोगी दलों की हैं। ऐसे में उम्मीद है कि सपा को इन सीटों पर कोई एतराज नहीं होगा।

आप सांसद संजय सिंह ने कोर्ट से समर्पण करने के लिए मांगा समय

सुल्तानपुर। बिजली कटौती व पानी की समस्या को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन करने के मामले में अपील खारिज होने के बाद आप सांसद संजय सिंह व सपा के पूर्व विधायक अनूप संडा ने समर्पण करने के लिए मौका मांगा। सांसद ने राज्यसभा सत्र चलने और पूर्व विधायक ने पत्नी के बीमार होने के आधार पर समर्पण के लिए अन्य तिथि नियत करने की मांग की। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट की प्रभारी एसीजेएम मुक्त त्यागी ने मामला पीठासीन अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया है। मजिस्ट्रेट कोर्ट से सुनाई गई तीन माह की सजा के खिलाफ आप सांसद संजय सिंह व सपा के पूर्व विधायक अनूप संडा समेत छह दोषियों की अपील बीते छह अगस्त को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट की एडीजे एकता वर्मा ने खारिज कर दी थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट की सजा को बहाल कर आरोपियों को नौ अगस्त को अदालत में समर्पण करने का आदेश दिया था।

अब जनता लेगी भाजपा से हिसाब: दीपेंद्र हुड्डा

» बोले- झूठ, फूट और लूट की राजनीति के दिन लदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। रोहतक के कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने थानेसर विधानसभा क्षेत्र में रैली की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और कई तरह के आरोप भी लगाए। हरियाणा का आदमी सीधा व साधारण होता है। वह जल्दी बातों में आ जाता है और भरोसा भी कर लेता है। हरियाणा के आदमी को आसानी से ठगा जा सकता है, लेकिन वह ठगने वाले से हिसाब लेना भी जानता है।

प्रदेश की भाजपा सरकार से भी हरियाणा का हर आदमी हिसाब लेने को तैयार बैठा है और लेकर ही रहेगा। ये बातें रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कही। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा थानेसर विधानसभा क्षेत्र में हरियाणा मांगे हिसाब अभियान को लेकर जाट धर्मशाला में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गत चार अगस्त को भाजपा की रैली में भाजपा के हरियाणा चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कांग्रेस के हिसाब मांगों अभियान पर किए तंज पर जवाब दिया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि पिता-पुत्र हिसाब मांगने वाले कौन होते हैं। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जनता को हिसाब लेने का हक है और सरकार को देना ही होगा। इस तरह जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने विनेश फोगाट सहित अन्य खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि वे सब सरकार की विरोधी नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। प्रदेश को हरियाणा सरकार ने कच्ची नौकरियों की राजधानी बना दिया है।

उन्होंने कहा कि झूठ, फूट और लूट की राजनीति के दिन लद गए हैं। हरियाणा की जनता भाजपा सरकार से हिसाब लेकर रहेगी। लोग बदलाव का मन बना चुके हैं। क्योंकि पिछले 10 साल में भाजपा सरकार ने हर वर्ग पर अत्याचार किया है। बीजेपी सरकार ने कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय एससी वर्ग, पिछड़ा वर्ग, गरीब वर्ग के लिए चल रही सारी योजनाएं बंद कर दी। 100 गज के प्लाट, पानी की टंकी, पानी के मुफ्त कनेक्शन समाप्त कर पानी के बिल पकड़ा दिए। लोग आईडी के फेर में उलझा दिए।

हरियाणा में सुरजेवाला करेंगे परिवर्तन रैलियां

हरियाणा कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर रार बढ़ती जा रही है। सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा की कांग्रेस संदेश पदयात्रा के बाद अब कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी प्रदेश में एक्टिव मोड में आ गए हैं। सुरजेवाला अब प्रदेशभर में परिवर्तन रैलियां करने की तैयारी में हैं। पहली रैली 11 अगस्त को पानीपत में, दूसरी रैली 17 अगस्त को नीलोखेड़ी में और 18 अगस्त को जींद में होगी। इन तीन रैलियों के माध्यम से सुरजेवाला पानीपत, करनाल और जींद जिलों को कवर करेंगे, जिसके बाद नई रैलियों का शेड्यूल घोषित किया जाएगा। खास बात ये है कि अभी तक कुमारी सैलजा की पदयात्रा से सुरजेवाला ने दूरी बनाए रखी है। जब यात्रा शुरू हुई थी तो दावा किया गया था कि चौधरी बीरेंद्र सिंह और सुरजेवाला दोनों मौजूद रहेंगे, लेकिन अकेले बीरेंद्र सिंह ही दिखे। अब तक की यात्रा के अन्य कार्यक्रमों से भी सुरजेवाला दूर रहे हैं। क्योंकि खुद सुरजेवाला सीएम पद के दावेदार हैं। इसलिए उन्होंने अपनी अलग राह बनाते हुए प्रदेशभर में अपने समर्थक कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश भरने के लिए रैलियां करने का ऐलान किया है। पहले कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी एक गुट में थे, लेकिन किरण चौधरी के भाजपा में जाने का बाद यह गुट टूट गया।

भाजपा ने मुझे महत्व नहीं दिया इसलिए मैंने मंत्रीपद से इस्तीफा दिया: मीणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मंत्रिपद से कई दिन पहले इस्तीफा देने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्रिपद इसलिए छोड़ा क्योंकि लोगों ने उन्हें महत्व नहीं दिया।

मीणा ने लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में कुछ सीट पर भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कैबिनेट मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन उनका इस्तीफा अभी स्वीकार नहीं किया गया है। मीणा ने कहा कि मैंने इस सरकार में मंत्रिपद इसलिए छोड़ दिया क्योंकि जिन लोगों की मैं 45 वर्षों से सेवा कर रहा था, उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी।'' उन्होंने दौसा में आदिवासी दिवस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों को संबोधित किया और कहा कि वह आरक्षण के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देंगे।

भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव से पहले लोग कहते थे कि अगर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सत्ता में आए तो वह आरक्षण खत्म कर देंगे। मोदी आ गए हैं और डॉ. किरोड़ी लाल की जिम्मेदारी है कि वह आरक्षण के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देंगे।

चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन (20 सूत्री) समिति का गठन कर दिया है। सभी जिलों में प्रभारी मंत्री अध्यक्ष बनाये गये हैं। वहीं एनडीए सरकार में शामिल भाजपा और जदयू समेत अन्य सहयोगी दलों के 2 जिलाध्यक्षो को 2 उपाध्यक्ष बनाया गया है।

» 38 जिलों में किया समिति का गठन

हर जिला समिति में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष समेत कुल 25 सदस्य मनोनीत किए गए हैं। संबंधित जिला के लोकसभा सांसद पदेन सदस्य होंगे। राज्यसभा सांसद अपने गृह जिला में पदेन सदस्य होंगे। जबकि जिला के सभी विधायक पदेन सदस्य होंगे। विधान पार्षद अपने गृह जिला जिला परिषद अध्यक्ष, महापौर, नगर अध्यक्ष भी पदेन सदस्य होंगे। संबंधित जिला के डीएम सदस्य सचिव होंगे।

वक्फ बिल पर संयुक्त पैनल गठित, 31 सांसद हैं सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच के लिए संसद की संयुक्त समिति का गठन हो गया है, 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा सदस्य अगले सत्र तक अपनी रिपोर्ट सौंपेंग, पैनल के 12 सदस्य सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हैं, जिनमें भाजपा के आठ और विपक्ष के नौ शामिल हैं, उच्च सदन में भाजपा के चार, विपक्ष के चार और एक मनोनीत सदस्य है।

पैनल में लोकसभा सदस्य- जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जयसवाल, दिलीप सैकिया, अभिहित गंगोपाध्याय, डीके अरुणा (सभी भाजपा); गौरव गोगोई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद (सभी कांग्रेस, मोहिबुल्लाह (समाजवादी पार्टी); कल्याण बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस); ए राजा (डीएमके); लावु श्री कृष्ण देवरायलु (तेलुगु देशम पार्टी); दिलेश्वर कामैत (जेडीयू); अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी); सुरेश म्हात्रे (एनसीपी-शरद पवार); नरेश म्हस्के (शिवसेना); अरुण भारती (लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास); और असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम) राज्यसभा से शामिल लोगों में बृज लाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधा मोहन दास अग्रवाल (सभी भाजपा) शामिल हैं; सैयद नसीर हुसैन (कांग्रेस); मोहम्मद नदीमुल हक (तृणमूल कांग्रेस); वी विजयसाई रेड्डी (वाईएसआरसीपी); एम मोहम्मद अब्दुल्ला (डीएमके); संजय सिंह (आप); और नामांकित सदस्य धर्मस्थल वीरेंद्र हेगड़े।

झारखंड व राजस्थान में चुनाव पर चर्चा

बीजेपी के सामने सोरेन के विरुद्ध सीएम फेस की चुनौती

- कांग्रेस व भाजपा ने शुरू की तैयारी
- एनडीए व इंडिया गठबंधन ने संभाला मोर्चा
- परिवारवाद से बाहर निकलने की मंशा
- राजस्थान उपचुनाव के लिए भाजपा व कांग्रेस तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष में तकरार के बीच कई राज्यों में होने वाले चुनावों व उपचुनावों पर कई राज्यों में तैयारी शुरू हो चुकी है। विभिन्न सियासी दलों ने अपने तीर-तरकश दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। जहां बिहार-झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, राजद, जदयू व झामूमो ने चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है वहीं राजस्थान में होने वाले उप चुनावों पर भी राज्य की दोनो पार्टियों ने अपने-अपने चुनावी हितों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। जहां राजस्थान प्रदेश में राजनीतिक गर्मी और उठापटक का दौर एक बार फिर से शुरू हो चुका है। विधानसभा सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के साथ ही उपचुनाव की हलचल शुरू हो चुकी है, जहां एक तरफ भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर ने पद ग्रहण करते ही पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी पर पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में मुकेश भाकर का साथ देते हुए कांग्रेस को राजस्थान में एकजुट दिखाने का सफल प्रयास किया। 6 सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अग्नि परीक्षा कांग्रेस पार्टी की होनी तय है, क्योंकि भाजपा के पास खोने और पाने को कुछ है ही नहीं। न तो उपचुनाव उनके विधानसभा में संख्या बल को प्रभावित करते हैं और न ही सरकार पर कोई अनिश्चितता दर्शाते हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने पार्टी को 6 उप चुनाव में जीत दिलवाकर अपने कद को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है।

लोकसभा चुनाव जीतने पर पांच विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दिया था, जबकि अमृत मीणा की असमय मृत्यु चुनाव का कारण बनी है। खींवसर के विधायक हनुमान बेनीवाल नागौर से सांसद चुने गए। इन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। अब उपचुनाव में ये अपने ही परिवार से उम्मीदवार को चुनाव लड़ना चाहते हैं। जानकारों की मानें तो इनकी पत्नी कनिका बेनीवाल के नामों की चर्चा जोरों पर है। हनुमान के भाई भी नारायण बेनीवाल भी खींवसर सीट से विधायक रहे चुके हैं। सवाल ये भी है कि क्या अब भी इनका कांग्रेस से गठबंधन लागू रहेगा या बेनीवाल अकेले ही चुनाव में जाएंगे? अगर गठबंधन चालू रहता है तो कांग्रेस इनको कैसे मना पाती है। झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, कांग्रेस पार्टी के विधायक से सांसद बन चुके हैं। उप चुनाव में ये भी अपने परिवार के लिए सीट चाहते हैं, इतिहास गवाह है कि कांग्रेसी नेता शीशराम ओला के समय में उनके सांसद रहते उनके बेटे बृजेंद्र ओला व महिला सीट आने पर उन्होंने अपनी पुत्रवधु राजबाला ओला को सरकारी नौकरी से इस्तीफा दिलाकर जिला प्रमुख बनाया था। स्वयं शीशराम ओला भी जिला प्रमुख रह चुके हैं। यानी ओला परिवार ने अपने परिवार व अपने लोगों को जिला प्रमुख बनाया था। उप चुनाव में भी ओला परिवार को ही महत्व मिले इसकी कवायद चालू है। बृजेंद्र ओला अपने बेटे अमित ओला के लिए और अपनी पत्नी राजबाला ओला के लिए टिकट की लॉबिंग कर रहे हैं।देवली उनियारा से विधायक हरीश मीणा टोक सवाई माधोपुर से सांसद बने हैं। हरीश मीणा अपने बेटे हनुमंत मीणा को टिकट दिलवाने के भरसक प्रयास कर रहे हैं।दौसा से मुरारी लाल मीणा जोकि सांसद चुने गए हैं वो भी अपने ही परिवार में टिकट मिले इसके प्रयास में जुटे हैं, मुरारी लाल मीणा की पत्नी सविता मीणा और उनकी बेटी निहारिका मीणा टिकट के लिए प्रयासरत हैं। वहीं दौसा में पंडित नवल किशोर शर्मा के पोते आशुतोष शर्मा को राजनीतिक रूप से स्थापित करने के प्रयास में टिकट की मांग कर रहे हैं। चौरासी से राजकुमार रोत (बाप) जोकि कांग्रेस के द्वारा गठबंधन में सीट छोड़ कर बाप को दी गई थी, उससे सांसद चुने गए। राजकुमार रोत अपने साले के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं। हाल ही में खाली हुई सलूंबर सीट से भी कांग्रेस के रघुवीर मीणा ही दावेदारी कर रहे जोकि पिछला चुनाव अमृत लाल मीणा के सामने हारे थे।

'इंडिया' का चेहरा तो हेमंत ही होंगे

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता हेमंत सोरेन ने 2019 में झारखंड की कमान संभाली थी। उन्हें कांग्रेस और आरजेडी का समर्थन प्राप्त था। इस गठबंधन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अलबता एक नई पार्टी सीपीआई (एमएल) गठबंधन के साथ हो गई है। सीपीआई (एमएल) के एक ही विधायक विनोद सिंह हैं, जो बगोदर से चुनाव जीतते रहे हैं। इस बार उन्होंने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के रूप में कोडरमा से लोकसभा का चुनाव लड़ा था, पर कामयाबी नहीं मिल पाई। मसलन इंडिया ब्लॉक के सीएम फेस हेमंत सोरेन ही रहेंगे, इसमें न किसी को आपत्ति है और न कोई दूसरा दावेदार ही इंडिया ब्लॉक में है।

सहयोगियों के दबाव में कांग्रेस

6 सीटों की समीकरण पर नजर डाली जाए तो कांग्रेस अपने या अपने सहयोगियों के दबाव में दिखाई देती है। कांग्रेस आलाकमान जोकि खुद भी परिवारवाद के आरोपों से घिरा रहता है, क्या राजस्थान में पनप रहे परिवारवाद से पार पाने में समर्थ हो पाएगा? क्या प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा परिवारवाद के दंश से पार्टी को बचा पाएंगे और जो छवि डोटासरा की आलाकमान की नजरों में बनी है, उसको उप चुनाव में परिवारवाद के चलते नुकसान से बचा पाएंगे? परिवारवाद में उलझी कांग्रेस की आपसी कशमकश कहीं भाजपा के लिए लाभ में न बदल जाए। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और युवा नेताओं के बीच एक उम्मीद की किरण जगी है, जो इस उप चुनाव में कहीं फिर बुझ न जाए।

झारखंड में भाजपा का कौन होगा सीएम फेस

झारखंड में चुनावी चहल-पहल तो बढ़ रही है, लेकिन अभी तक यह सिर्फ एकतरफा है। भाजपा और उसकी सहयोगी आजसू पार्टी ही सबसे अधिक सक्रिय दिख रही हैं। भाजपा के चुनाव प्रभारियों के लगातार दौरे हो रहे हैं। कभी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आ रहे हैं तो कभी असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पहुंच रहे हैं। भाजपा झारखंड में लोकसभा की तीन सीटें भले हार गई है, पर उसे 52 विधानसभाओं में बढ़त मिली है। यह उसके लिए सुकून की बात है। अभिनंदन सभाओं के माध्यम से भाजपा नेता मतदाताओं के प्रति आभार जता

रहे हैं। भाजपा नेता इसके लिए जिलों का भी दौरा कर रहे हैं। पर, सबसे बड़ा सवाल यह कि भाजपा किसके चेहरे पर इस बार का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पहले भाजपा ने बाबूलाल मरांडी का नाम आगे किया था। अब अर्जुन मुंडा की भी एंट्री हो गई है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद मुंडा विधानसभा की किसी सुरक्षित क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में मतदाता समझ नहीं पा रहे कि भाजपा का सीएम चेहरा इस बार कौन होगा। नरेंद्र मोदी का चेहरा अब फीका पड़ गया है। इसलिए पिछली बार की तरह उनके चेहरे पर भी भाजपा विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ना चाहती, लेकिन चेहरा जाने बगैर मतदाता कैसे भरोसा करेंगे कि उनका सीएम कौन होगा।

भाजपा को 52 सीटों पर बढ़त

भाजपा के लिए संतोष और उत्साह की बात यह है कि 14 लोकसभा सीटों के तहत आने वाले 81 विधानसभा क्षेत्रों में उसे इस खराब हालत में भी 52 पर बढ़त मिली है। इसलिए उसे उम्मीद है कि मंजिल फतह की जा सकती है। पर, यहां ध्यान रखना होगा कि लोकसभा में नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भी वोट मिलते हैं, मगर विधानसभा चुनाव में ऐसा संभव नहीं है। खासकर तब, जब 2014 की तरह मोदी के चेहरे पर भाजपा को इस बार का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना है। इसलिए भाजपा को अपने सीएम फेस का खुलासा करना ही होगा। सामने वाले गठबंधन का चेहरा स्पष्ट है और उसी चेहरे पर इंडिया ब्लॉक ने इस बार लोकसभा की पांच सीटें झारखंड में जीती हैं।

बीजेपी बड़े नेताओं को उतारेगी

भाजपा ने इस बार जो रणनीति बनाई है, उसमें बड़े आदिवासी चेहरों को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी है। इनमें कुछ तो लोकसभा चुनाव के हारे हुए खिलाड़ी हैं तो कुछ सुप्तावस्था में किनारे किए गए नेता। सीता सोरेन, गीता कोड़ा, सुदर्शन भगत, समीर उरांव और अर्जुन मुंडा को भाजपा इस बार मैदान में उतारेगी। भाजपा की चिंता यह है कि लोकसभा के लिए अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पांच सीटों पर उसे इस बार हार का सामना करना पड़ा है। इन पांच संसदीय सीटों के अंतर्गत विधानसभा की 28 सीटें आती हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा सिर्फ दो ही आरक्षित सीटें जीत पाई थी। यही वजह है कि भाजपा रणनीतिकारों ने अपने बड़े आदिवासी चेहरों पर दांव लगाने की योजना बनाई है।

रघुवर दास बने दुर्गति की वजह

झारखंड में भाजपा की सरकार 2014 से 2019 तक रही। चुनाव नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा गया, लेकिन सीएम रघुवर दास बनाए गए। ओडिशा का राज्यपाल बनने के बाद रघुवर दास की झारखंड की राजनीति में वापसी की संभावनाएं समाप्तप्राय है। हालांकि उनके करीबी अब भी उनकी सक्रिय राजनीति में लौटने की उम्मीद पाले हुए हैं। वे ऐसे राज्यपालों के नाम भी गिनाते हैं, जिन्होंने सक्रिय राजनीति में वापसी की। भाजपा के पांव भी झारखंड से रघुवर दास की वजह से ही उखड़े थे। अव्वल तो उन पर गैर आदिवासी सीएम होने का ठप्पा लगा। दूसरा सीएनटी एक्ट में उनकी सरकार ने संशोधन कर आदिवासियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की तो इसे विपक्ष ने आदिवासियों की जमीन छीनने के नैरेटिव के रूप में प्रचारित किया। नतीजा यह हुआ कि भाजपा की सरकार दोबारा नहीं बन पाई। जेएमएम के नेतृत्व वाले महागठबंधन की सरकार बन गई और हेमंत सोरेन दूसरी बार सीएम बने।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लम्बी मुकदमेबाजी भी सजा से कम नहीं!

पहले संजय सिंह और अब मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। अदालत ने कहा कि स्वतंत्रता सबका हक है। वाकई सोचने वाली बात है किसी ऐसी बात पर किसी को इतने दिन बिना किसी सबूत के जेल रखना उचित नहीं है। दरअसल अमूमन देखने को मिलता है सत्ता पक्ष अपने विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों को थोड़ी सी गलती पर मुकदमों में फंसा कर देता है। ये एक तरह की तानाशाही ही है। अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट में आयोजित पहली लोक अदालत के बाद चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि लम्बी मुकदमेबाजी से त्रस्त लोग सेटलमेंट चाहते हैं। उनके अनुसार अदालत की लम्बी प्रक्रिया सजा जैसी है, जो जजों के लिए चिंता की बात है। रिजर्व फैसलों को तीन महीने के भीतर जारी कर देना चाहिए। अमेरिका, भारत या फिर बांग्लादेश समेत अधिकांश देशों में नेता और सरकार संविधान की आड़ में ही जनता के अधिकारों का दमन और भ्रष्टाचार करते हैं।

बांग्लादेश में मुखिया पद के नए दावेदार मोहम्मद यूनुस के खिलाफ भी 100 से अधिक मुकदमे चल रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और प्रधानमंत्री पद की भावी दावेदार खालिदा जिया दोनों को सेना ने भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद कर दिया था। हसीना सरकार के आरक्षण बढ़ाने के दांव और हाईकोर्ट के फैसले के बाद बांग्लादेश में तख्तापलट का कथानक तैयार हो गया था। भारत में न्यायिक व्यवस्था से जुड़े तीन पहलुओं को समझना बेहद जरूरी है। एमसीडी में एल्डरमैन की नियुक्ति पर एलजी के अधिकार के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने 15 महीने बाद फैसला दिया। एक ही मामले पर दो अदालतों में सुनवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन बेसमेंट में कोचिंग के छात्रों की मौत के मामले में हाईकोर्ट के साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई का फैसला लिया है। ईडी के अनुसार छत्तीसगढ़ के पीडीएस स्कैम में हाईकोर्ट जज ने भ्रष्ट तरीके से आरोपी अफसरों को जमानत दी थी। इस मामले में वॉट्सएप चैट के प्रमाण के बावजूद महाभियोग से जज को बर्खास्त करने के बजाय दूसरे हाईकोर्ट में ट्रांसफर करके मामले को रफा-दफा कर दिया गया। सनद रहे कि आजादी के बाद किसी भी जज की बर्खास्तगी नहीं हुई है। देश में यदि 50 साल पहले संविधान की हत्या हो गई थी तो सांसद, मंत्री और जज किस संविधान की शपथ लेकर देशसेवा कर रहे हैं? भारत में नेताओं से पीड़ित जनता चुनावों के जरिए आवाज उठा सकती है। नाकारा और भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ सीबीआई और अदालतों के दरवाजे खुलते हैं। लेकिन अदालतों में न्याय के बजाय तारीख पे तारीख या फिर कागजी फैसला मिलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। लोकतंत्र और संविधान की सुरक्षा के लिए अदालती चक्रव्यूह से जनता को राहत देना जरूरी है।

दरअसल अमूमन देखने को मिलता है सत्ता पक्ष अपने विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों को थोड़ी सी गलती पर मुकदमों में फंसा कर देता है। ये एक तरह की तानाशाही ही है। अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट में आयोजित पहली लोक अदालत के बाद चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि लम्बी मुकदमेबाजी से त्रस्त लोग सेटलमेंट चाहते हैं। उनके अनुसार अदालत की लम्बी प्रक्रिया सजा जैसी है, जो जजों के लिए चिंता की बात है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महज सौ ग्राम वजन ने छीना विनेश से पदक

रोहित महाजन

बीते जमाने में पहलवान अपनी गर्दन में पत्थर का भारी कड़ा (रिंग) पहनकर दंड-बैठकें लगाया करते थे, किंतु विनेश फोगाट के गले पड़े नियम रूपी कड़े का वजन बेशक 100 ग्राम था, लेकिन उसकी उम्मीदों को ले डूबा। बुधवार की सुबह विनेश फोगाट को महिला कुश्ती की 50 किलो फ्रीस्टाइल श्रेणी में वजन 100 ग्राम अधिक पाए जाने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। फाइनल में भिड़ंत अमेरिकी की साराह हाईबैंटेड से होनी थी और जीतने पर स्वर्ण पदक मिल सकता था, लेकिन यह अवसर हाथ से जाता रहा। विनेश को अयोग्य घोषित किए जाने में हद दर्जे की खराब व्यावसायिक कारगुजारी प्रतीत हो रही है और उसका मामला कुश्ती जगत में चर्चा का विषय बन गया, ओलंपिक के फाइनल में ऐसा पहले कभी हुआ हो, याद नहीं पड़ता।

मुकाबले के पहले दिन यानी मंगलवार को वह अपना वजन तयशुदा सीमा के भीतर बनाने में सफल रही लेकिन बुधवार को ऐसा नहीं कर पाई। 2016 और 2021 के ओलंपिक की भांति इस बार भी विनेश सबसे सम्माननीय खेलकुंभ में पदक हासिल करने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाई। स्वर्ण पदक मुकाबले वाले दिन की सुबह, जब विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया तो इससे बच निकलने का जरा भी रास्ता न था क्योंकि नियमों के मुताबिक 10 ग्राम अधिक होने पर भी पहलवान अयोग्य घोषित हो जाता है। वजन नियमों के प्रति अत्यधिक कड़ाई वाले खेल जैसे कि कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो और ताईक्वांडो में, प्रतिद्वंद्वियों के आकार और भार में समानता एक अनिवार्यता है। वह इसलिए कि दोनों के लिए मौका एक समान हो, यह नहीं कि बड़े से छोटे को भिड़ा दिया जाए। उदाहरणार्थ, 53 किलो भार के पहलवान के मुकाबले 50 किलो वाले को अखाड़े में नहीं उतारा जा सकता, अन्यथा अधिक वजनी पहलवान को ताकत और पकड़ के मामले में बहुत फायदा मिल जाएगा। खेल अप्रत्याशित हो सकता है और कई बार हल्का दिखने वाला खिलाड़ी ताकत और पकड़ में अपनी कमजोरी पर पार पाते हुए, दांव-पेचों के सहारे अपने से बड़े पहलवान को चित्त कर देता है।

नामी प्रतियोगिताओं में तगड़े खिलाड़ी अकसर बहुत फायदे में रहते हैं। लेकिन ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जैसी कुलीन प्रतियोगिताओं में नियम बहुत सख्त होते

हैं, मानो पत्थर पर लकीर -यहां तक कि कुछ ग्राम अधिक वजन निकलने पर पहलवान या बॉक्सर को बाहर कर दिया जाता है। संयुक्त विश्व कुश्ती संघ, जोकि इस खेल के लिए वैश्विक प्रशासनिक संस्था है, की नियम संहिता के अनुसार मुकाबले वाले दिन की सुबह प्रतियोगी का वजन तोला जाता है, ओलंपिक या विश्व चैम्पियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में मुकाबले दो दिन चलते हैं। प्रथम दिन यदि खिलाड़ी का वजन अधिक आए तो तयशुदा सीमा तक घटाने के लिए उसे आधे घंटे का वक्त दिया जाता है, इस दौरान वह जॉगिंग, साईकिलिंग, रस्सी कूद या तेज दौड़ इत्यादि उपायों से अपने भार में कमी लाने का प्रयास करता है और फिर से वजन तोलने की मशीन पर चढ़ता है। पर यह तभी कारगर है जब मामला चंद ग्राम भार घटाने का हो। दूसरे दिन, जिस रोज फाइनल खेला जाना हो, पहलवानों को वजन में कमी लाने के वास्ते 15 मिनट का समय दिया जाता है। तोल प्रक्रिया में, पहलवान चाहे कितनी भी बार मशीन पर चढ़ सकता है। भिड़न्त वाले खेलों के प्रतिभागी सामान्यत: प्रथम दिन के वजन के हिसाब से तैयार रहते हैं, इसके लिए वे प्रतियोगिता से पहले के दिनों में भोजन और पानी की मात्रा घटाते हैं या एक वक्त का भोजन नहीं करते। लेकिन इसके चलते उनकी ऊर्जा एवं ताकत भंडार में कमी होती है और भरपाई हेतु उच्च शक्तिवर्धक एवं उच्च प्रोटीन युक्त भोजन और पेय पदार्थ लेते हैं, उदाहरणार्थ, विनेश ने प्रथम दिन की सुबह वजन तुलवाने के बाद, तकरीबन डेढ़ किलो भोजन ग्रहण किया, जोकि साथ गए पौष्टिकता विशेषज्ञ की गणना और सलाह के अनुसार था। तीन मुकाबलों के दौरान और उनके बाद, शरीर में पानी की अत्यधिक कमी पड़ने से बचाने के वास्ते उसे बहुत कम मात्रा में जल दिया गया। उन दिन की कुश्तियों के बाद भार में लगभग 2 किलो की बढ़ोतरी हुई।

विनेश का सामान्य भार 55 किलो है, पर वह निचले वजन श्रेणी में लड़ रही थी क्योंकि इसमें फायदे का अवसर अधिक था। इससे पहले उसने दो बार विश्व कुश्ती प्रतियोगिता के 53 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता है, इसके अलावा एशियाई खेलों में भी दो पदक लिए हैं - 2018 में स्वर्ण तो 2014 में कांस्य - ये क्रमश: 51 किलो और 48 किलो वर्ग में थे।

सेहत व संस्कृति के द्वंद्व से जूझती इंडोनेशिया सरकार

पुष्परंजन

इंडोनेशिया में एक सिगरेट की कीमत है, दो हजार रुपिया (भारतीय मुद्रा में 10 रुपये 43 पैसे) है। पूरी डिब्बी की कीमत आमतौर पर लगभग 30,000 रुपिया (भारतीय करेंसी में 157 रुपये) मानकर चलिए। सिगरेट की कम-ज्यादा कीमतें ब्रांड के ऊपर हैं। वहां की सरकार ने सिगरेट की खुदरा बिक्री पर रोक लगा दी है, जिससे खोमचे-ठीये वाले अपना धंधा चौपट हो जाने के डर से परेशान हैं। सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का तंबाकू समर्थक कार्यकर्ताओं ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है, जिनका मानना है कि तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने से छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और यह देश की गहरी जड़ें जमाए धूम्रपान संस्कृति के खिलाफ होगा।

सिगरेट समर्थक कार्यकर्ताओं के अनुसार, 'सिगरेट वह गोंद है जो इस द्वीपसमूह में सामाजिक संबंधों को एक-दूसरे से चिपकाये रखती है।' जावा में शादियों और अंतिम संस्कारों के दौरान आये लोगों को अक्सर सिगरेट ऑफर की जाती है, और हिंदू बहुल द्वीप बाली में देवताओं-परमात्माओं को अर्पित दैनिक प्रसाद में भी सिगरेट शामिल है। 'कैनांग सारी' नामक पारंपरिक प्रसाद को नारियल के पत्ते वाली बकेट में रखते हैं, जिसके अंदर फूल, चावल और सिगरेट होती है। इन्हें देवताओं के प्रति समर्पण और आत्माओं को प्रसन्न करने के लिए चढ़ाया जाता है। सिगरेट समर्थकों का कहना है कि सरकार इस प्रतिबंध के बहाने हमारी आस्था पर चोट कर रही है। इंडोनेशिया द्वीप समूह के किसी भी हिस्से में जाएं। सुबह के पारंपरिक नाश्ते में एक कप कॉफी के साथ सिगरेट जरूर दिखेगा। पश्चिमी सुमात्रा में सफिंग के लिए मशहूर मेंटावई जनजातियां तंबाकू या उबे का सेवन करती हैं। सिगरेट चाहे टेंशन दूर करे, मगर उसके आदी लोग व्यक्तिगत आनंद के लिए उसका होना जरूरी मानते हैं। क्रेटेक ब्रांड के सिगरेट की दीवानगी तंबाकू समर्थक नीतियों की वकालत करने वाले केपाले देसे के बयानों से दरपेश है, 'क्रेटेक एक इंडोनेशियाई सिग्नेचर सिगरेट है, जिसमें लौंग के साथ तंबाकू मिलाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप जलने पर मीठा स्वाद और गाढ़ा धुआं निकलता है। हम इसे छोड़ नहीं सकते।'

नए विनियमन में सिगरेट के एक पैकेट में कम से कम 20 सिगरेट होनी चाहिए, जिससे 12 या 16 सिगरेट वाले सस्ते पैकेट की बिक्री खत्म हो जाएगी। न्यूनतम खरीद आयु भी 18 से बढ़ाकर 21 कर दी गई है। नए विनियमन को तोड़ने वाले विक्रेताओं या उत्पादकों पर क्या जुर्माना ठोकेंगे, अभी स्पष्ट नहीं किया है। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे बड़े इंस्टाग्राम दर्शकों में से एक है, जिसके एक करोड़ 11 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं। जिनमें से आधे से अधिक 13 से 24 वर्ष की आयु के हैं। तंबाकू प्रवर्तन और रिपोर्टिंग आंदोलन (टीईआरएम) के अनुसार, '2023 तक, इंडोनेशिया में लगभग 70 प्रतिशत ऑनलाइन तंबाकू विपणन इंस्टाग्राम पर हुआ।' इंडोनेशिया में तंबाकू और ई-सिगरेट को सोशल मीडिया पर प्रचारित करने से रोक दिया गया है।

सिगरेट समर्थक केपाले देसे कहते हैं, 'हम छोटे विक्रेताओं का पक्ष लेते हैं, क्योंकि यह प्रतिबंध उन्हें नुकसान पहुंचाएगा। हमने खुदरा सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध के बारे में खोमचे-ठेले वालों की राय पूछी, और उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया।' लेकिन इसके उलट स्वास्थ्य मंत्रालय में कानून प्रभाग के प्रमुख इंदा फेब्रियांटी ने 2 अगस्त, 2024 को दिये बयान में कहा, 'खुदरा सिगरेट बच्चों और किशोरों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं, जिनके उपभोग के स्तर को हम वास्तव में कम करना चाहते हैं।' इंडोनेशिया में धूम्रपान की दर दुनिया में सबसे ज़्यादा है - पिछले साल इंडोनेशियाई स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 270 मिलियन की आबादी में से 70 मिलियन सक्रिय धूम्रपान करने वाले थे। किशोर उम्र वालों का धूम्रपान रोकना भी एक चुनौती है। पिछले साल धूम्रपान करने वालों में से 7.4 प्रतिशत 10-18 वर्ष के थे, जबकि 15-19 वर्ष की आयु में धूम्रपान शुरू करने वालों की संख्या सबसे ज्यादा 56.5 प्रतिशत थी। हालांकि, नवीनतम तम्बाकू नियंत्रण विनियमों का तम्बाकू विरोधी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया, हालांकि वे जकार्ता से और अधिक प्रतिबंधों की मांग करते हैं। वाशिंगटन स्थित 'कैंपेन फॉर टोबैको-फ्री किड्स' के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी योलोंडा सी। रिचर्डसन ने एक बयान में कहा कि हमारा संगठन नियमों पर हस्ताक्षर करने के लिए विडोडो की सराहना करता है, और सरकार से आग्रह करता है कि वे तम्बाकू कंपनियों के हस्तक्षेप के बावजूद, उन्हें लागू करें जो निश्चित रूप से जारी रहेगा।

नवंबर, 2011 में बाली को सिगरेट मुक्त करने का ऐलान किया गया, लेकिन यह घोषणा लचर साबित हुई। फिर दोबारा से 1 जून, 2012 से धूम्रपान पर सख्त पाबंदी आयद की। इंडोनेशिया उन चंद देशों में से एक है, जो अभी भी टेलीविजन पर तम्बाकू के विज्ञापन की अनुमति देता है, हालांकि इसे रात 9:30 बजे के बाद ही प्रसारित किया जा सकता है। 'इंडोनेशिया इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेवलपमेंट' के निदेशक, अहमद फनानी ने 31 जुलाई, 2024 को जारी एक बयान में कहा, कि हम 'प्रगतिशील' नियमों का स्वागत करते हैं, हालांकि हमें खेद है कि तम्बाकू विज्ञापन प्रतिबंध केवल सोशल मीडिया पर लागू होता है, न कि टेलीविजन या बिलबोर्ड पर। सैम्पोएर्ना इंडोनेशिया की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी है। यह लौंग सिगरेट बनाती है, जिसे स्थानीय तौर पर 'क्रेटेक सिगरेट' के नाम से जाना जाता है।

धूप से काली पड़ रही त्वचा तो अपनाएं ये नुस्खे

गर्मी के इस मौसम में तेज धूप से हर कोई काफी परेशान रहता है। लोग कोशिश करते हैं, कि वो धूप में बाहर न निकलें, लेकिन किसी न किसी वजह से उन्हें बाहर जाना ही पड़ता है। जिस प्रकार से तेज धूप से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है, ठीक उसी प्रकार से त्वचा पर तेज धूप पड़ने से टैनिंग की समस्या सामने आने लगती है। इस मौसम में चेहरे के बाद सबसे ज्यादा टैनिंग हाथों पर होती है। चाहे आप हाथों को कितना भी कवर करके रख लें, लेकिन धूप का असर इस तक पहुंच ही जाता है। वैसे तो टैनिंग से बचने के लिए आपको बाजार में कई प्रकार से टैन रिमूवल क्रीम आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खों में ज्यादा भरोसा करते हैं, तो इनके इस्तेमाल से आपको हाथों की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

दही और हल्दी

दही और हल्दी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को कई परेशानियों से काफी राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप टैनिंग की परेशानी को दूर करने के लिए दही और हल्दी के पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिल जाएगी। दही न सिर्फ हमारी स्किन की रंगत सुधारती है बल्कि यह हमारी त्वचा के लिए एक एंटी एजिंग की तरह काम करती है और डल स्किन की चमक को बढ़ाती है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड आपकी स्किन की चमको को बढ़ाता है इसलिए दही को स्किन केयर में लोग सदियों से इस्तेमाल कर रहे हैं।

एलोवेरा

इस चिलचिलाती गर्मी में एलोवेरा शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसके साथ ही ये शरीर की टैनिंग हटाने का काम भी करता है। अगर आप हर रोज एलोवेरा को रात में सोने से पहले हाथों में लगाएंगे, तो आपको टैनिंग से जरूर राहत मिलेगी। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में त्वचा सम्बन्धी कई सारी समस्याएं होती है। जैसे एक्ने, इसमें एलोवेरा आपके चेहरे की समस्याओं से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। एलोवेरा में मौजूद एंटीबैक्टीरियल तत्व एक्ने को तो कम करता ही है साथ ही चेहरे से दाग-धब्बे भी दूर करता है। इसके अलावा आप शेविंग के बाद भी एलोवेरा का जेल लगा सकते हैं। यह जलन को तो काम करेगा साथ ही चेहरे को भी मॉइस्चराइज़ करेगा।

कच्चा दूध

शरीर के लिए लाभदायक दूध आपकी त्वचा को भी कई परेशानियों से बचा सकता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कच्चे दूध में हल्दी और नींबू मिलाकर इसका पेस्ट तैयार करना है। इस पेस्ट को टैनिंग प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिलेगी। लैक्टिक एसिड, विटामिन ए, डी, ई, और के, और प्रोटीन की उपस्थिति के कारण कच्चा दूध एक हल्का एक्सफोलिएटिंग और हाइड्रेटिंग एजेंट है, जो त्वचा को अच्छी तरह से साफ करता है। ड्राई स्किन के लिए कच्चे दूध को टोनर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह रोमछिद्रों को सिकोड़कर त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज्ड करने में मदद करता है।

दही और टमाटर

स्किन पर आई टैनिंग को दूर करने के लिए आप दही और टमाटर का फेस पैक बनाकर लगा सकते हैं। दही में विटामिन ए, बी और के मौजूद होता है, जो कि स्किन की टैनिंग को दूर करने में मदद करता है। इसके साथ ही चेहरे पर एक्सेस ऑयल को हटाने में भी कारगर होता है। टमाटर एक्ने को दूर करने के साथ-साथ स्किन की झुर्रियों को कम करने में भी और इसे जवां बनाए रखने में भी काफी असरकारक होता है। दही स्किन को नमी देता है। दही और टमाटर का मिश्रण चेहरे पर लगाने से डेड स्किन का सफाया हो जाता है और इसे लगाने से स्किन एक्सफोलिएट की होती है।

हंसना मना है

बस में एक युवती चढ़ी। सारी सीटें भरी हुई थीं अतः उसे खड़ा रहना पड़ा। कुछ देर बाद एक युवक उठने लगा, तो युवती बोली-'आप बैठे रहें, मैं खड़ी होकर ही यात्रा कर लूंगी। इसी तरह दो-तीन बार हुआ, पर इस बार युवक सीट छोड़कर जाने लगा। युवती ने कहा-आप बैठे रहो न। युवक ने कहा-'आपके 'बैठे रहो' के कारण मैं तीन स्टॉप आगे आ गया हूं।

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल- अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार- यहीं खाओगे या पैक कर दूं।

एक अविवाहित से उसके शादीसुदा मित्र ने पूछा-'आपने आज तक शादी क्यों नहीं की? उसने मुस्कराते हुए उत्तर दिया-'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय।

राजेश-'चुनाव में स्वस्थ अभियान कब होता है? दिलीप-'जब एक उम्मीदवार दूसरे के बारे में झूठ बोलना छोड़ दे एवं दूसरा भी पहले के बारे में सत्य कहना बंद कर दे।

ज्योंतिषी (रीता से)-'अच्छा, तो तुम खुद प्रेमी का आनेवाला कल जानना चाहती हैं? रीता-'जी नहीं, उसका आनेवाला कल तो मेरे हाथ में है। तुम उसके अतीत के बारे में बताइए।

कहानी | भाव से बढ़कर कोई पूजा नहीं

एक करोड़पति बहुत अड़चन में था। करोड़ों का घाटा लगा था, और नौका डगमगा रही थी। कभी मंदिर नहीं गया था, फुर्सत ही नहीं मिली थी। पूजा के लिए पुजारी रख छोड़े थे, कई मंदिर भी बनवाये थे, लेकिन आज इस दुःख की घड़ी में कांपते हाथों वह भी मंदिर गया। सुबह जल्दी गया, ताकि परमात्मा से पहली मुलाकात उसी की हो, बोहनी की आदत जो होती है, कमबख्त यहां भी नहीं छूटी। लेकिन यह देख कर हैरान हुआ कि गांव का एक भिखारी उससे पहले से ही मन्दिर में मौजूद था। अंधेरा था, वह भी पीछे खड़ा हो गया, कि भिखारी क्या मांग रहा है? धनी आदमी सोचता है, कि मेरे पास तो मुसीबतें हैं, भिखारी के पास क्या मुसीबतें हो सकती हैं? और भिखारी सोचता है, कि मुसीबतें मेरे पास हैं। धनी आदमी के पास क्या मुसीबतें होंगी? एक भिखारी की मुसीबत दूसरे भिखारी के लिए बहुत बड़ी न थी! उसने सुना, कि भिखारी कह रहा है - हे परमात्मा ! अगर पांच रुपए आज न मिलें तो जीवन नष्ट हो जाएगा। आत्महत्या कर लूंगा। पत्नी बीमार है और दवा के लिए पांच रुपए होना बिलकुल आवश्यक हैं ! मेरा जीवन संकट में है ! अमीर आदमी ने यह सुना और वह भिखारी बंद ही नहीं हो रहा है - कहे जा रहा है और प्रार्थना जारी है। तो उसने झल्लाकर अपने जेब से पांच रुपए निकाल कर उस भिखारी को दिए और कहा - जा ये ले जा पांच रुपए, तू ले और जा जल्दी यहां से। अब वह परमात्मा से मुखतिब हुआ और बोला - प्रभु, अब आप ध्यान मेरी तरफ दें, इस भिखारी की तो यही आदत है। दरअसल मुझे पांच करोड़ रुपए की जरूरत है। भगवान मुस्करा उठे, बोले - एक छोटे भिखारी से तो तूने मुझे छुटकारा दिला दिया, लेकिन तुझसे छुटकारा पाने के लिए तो मुझको तुमसे भी बड़ा भिखारी ढूंढना पड़ेगा, तुम सब लोग यहां कुछ न कुछ मांगने ही आते हो, कभी मेरी जरूरत का भी ख्याल आया है? धनी आश्चर्यचकित हुआ, बोला - प्रभु आपको क्या चाहिए? भगवान बोले - प्रेम ! मैं भाव का भूखा हूं। मुझे निस्वार्थ प्रेम व समर्पित भक्त प्रिय है। कभी इस भाव से मुझ तक आओ फिर तुम्हें कुछ मांगने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। नए कार्य में लाभ मिलेगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री में कुछ लोग मुझे नीचा दिखाना चाहते हैं : तुषार कपूर

जितेंद्र के बेटे और टीवी क्वीन एकता कपूर के भाई तुषार कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है , लेकिन उन्हें अपार सफलता नहीं मिल पाई। तुषार अब वेब शोज में भी काम कर रहे हैं। वो अब दस जून की रात में नजर आने वाले हैं। इस शो में प्रियंका चौधरी लीड रोल में हैं। इस बीच हाल ही में तुषार ने इंडस्ट्री को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। तुषार कपूर ने कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि ये सब मुझे हमेशा के लिए एक्सेप्ट क्यों नहीं कर पा रहे हैं। मुझे लगता है कि ये सेक्शन उस बिरादरी का हिस्सा है, जो आपको नीचे खींचता है या कहें पीछे ढकेलता है। ये दुखद है, पर सच है, लेकिन मैं अब इन सबसे बाहर आ चुका हूं। थैंकफुली मेरे पास एक ऐसी ऑडियंस है, जो मुझे कभी जज नहीं करती है। एक्टर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि लोग हमेशा फिल्मी फैमिली से आने वाले फायदे के बारे में बात करते हैं, बहस करते हैं। मेरे पास भी कुछ ऐसे फायदे थे, पर मुझे कई नुकसान झेलने पड़ गए। एक नए स्टूडेंट की तरह मुझे बार-बार टेस्ट देना पड़ा है। मैं इससे लड़ने के लिए भी तैयार हूं, क्योंकि ये चौकन्ना रखता है। तुषार ने कहा, थैंकफुली मेरा एक बेटा है, जो मेरे लिए स्ट्रेस बस्टर है। जहां मैं पॉजिटिव और फोक्सड हूं, उसी दिशा में अपनी जिंदगी को जीता हूं। मैं फिटनेस को लेकर बेहद सजग हूं। मैं बौद्ध धर्म को फोलो करता हूं। ये सब चीजें मुझे मोटिवेट रखने में मदद करती हैं। मैं मानता हूं कि आखिरी में एक रोशनी जरुर होती है। लाइफ में उतार-चढ़ाव जरुरी हैं, वरना जिंदगी बोरिंग हो जाएगी। मैं आभारी हूं कि मैं अभी हूं और अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बात कर रहा हूं।

भौकाल मचाने को तैयार 'योद्धा'

'मैं रहूं ना रहूं, देश हमेशा रहेगा' 'योद्धा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि बहादुरी और दृढ़ता की एक बेमिसाल दास्तां हैं। नए एक्शन ड्रामा को देखने के लिए तैयार हो जाएं, जहां एक प्लेन को हाईजैक कर लिया गया है और उनमें से एक यात्री अकेले अपने दम पर लोगों को बचाता है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा खाकी वर्दी में काफी जंच रहे हैं, वहीं दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने निर्देशित किया है।

फिल्म में एक के बाद एक रोमांचक पलों के साथ आपको वन-मैन आर्मी का जबर्दस्त जज्बा देखने को मौका मिलेगा। इस फिल्म में सस्पेंस, ड्रामा और रोमांच का बिल्कुल सही तड़का लगाया गया है और दिखाया गया है कि एक इंसान अपने देश के लिए किस हद तक जा सकता है। 'योद्धा' का टेलीविजन प्रीमियर 11 अगस्त को कलर्स सिनेप्लेक्स पर रात 8 बजे होगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और वर्दी का कमाल- ये ऐसा दृश्य है जो हमेशा ही हमारे दिमाग में घूमता रहता है। सिद्धार्थ

मल्होत्रा, अरुण कात्याल की भूमिका हैं। इस फिल्म में आपको ढेर सारा एक्शन, खतरनाक स्टंट्स देखने को मिलने वाले हैं। उनके फैन्स के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा के कुछ कमाल के वन लाइनर भी हैं। 'योद्धा' में दिखाया गया है कि इस फिल्म का हीरो बड़ी ही आसानी से बिल्डिंगों में छलांग लगा रहा है, पानी के अंदर से निकल रहा है और पूरी आर्मी को अपने दम पर संभालता है। उसके कारनामे कुछ ऐसे हैं कि आपने सुपरहीरो की मैग्जीन्स में ही ऐसा पढ़ा होगा!

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने एक निडर फौजी की भूमिका निभाई है। वे टेलीविजन प्रीमियर को लेकर अपनी खुशी जताते हुए कहते हैं, 'योद्धा, इससे जुड़े सभी लोगों की मेहनत का नतीजा है। ये फिल्म एक्शन और भावनाओं से भरपूर है, जो सही मायने में दर्शकों को जोड़ती है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में काम करने का मेरा अनुभव शानदार रहा है और मुझे इस बात का बेसब्री से इंतजार रहेगा जब टेलीविजन दर्शक इस फिल्म को देखेंगे, जिसमें हमने भरपूर रोमांच और जज्बा डाला है।'

फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिशा पाटनी ने काम किया है। वे कहती हैं, 'इतने बेहतरीन प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर काफी अच्छा लग रहा है। इस फिल्म के एक्शन सीक्वेंस वाकई कमाल के हैं। इसमें आपको कुछ बहुत ही दिलेरी वाले बेहतरीन पल देखने को मिलेंगें। वे दर्शक जो इस फिल्म को थियेटर में नहीं देख पाए हैं, वे अब उनके पास उन पलों को महसूस करने का मौका है और वो भी घर बैठे। ये टेलीविजन प्रीमियर बड़े पैमाने पर इस फिल्म की कहानी और किरदारों से जुड़ने का शानदार मौका दे रहा है।'

हंसिता मोटवानी का विवादों से है चोली-दामन का साथ

कभी हार्मोनल इंजेक्शन को लेकर, तो कभी एमएमएस लीक होने की वजह से... वह लाइमलाइट में बनी रही। उनका और विवादों का चोली दामन का साथ रहा है। हंसिका ने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। वह साल 2000 में शाका लाका बूम बूम में नजर आईं और इसके बाद एकता कपूर के पॉपुलर सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी में भी काम किया।

साल 2003 में हंसिता मोटवानी ने ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म कोई मिल गया में रोल ऑफर हुआ। इसके बाद वह अपने परिवार के साथ विदेश चली गईं और 2007 में यानी 4 साल बाद जब तेलुगु फिल्म देशमुदुरु के जरिए स्क्रीन पर लौटीं, तो हर कोई हैरान था। उस वक्त पर उन्हें हार्मोनल इंजेक्शन लेने का आरोप झेलना पड़ा।

हंसिका मोटवानी को देखकर फैंस हैरान रह गए कि अचानक ये इतनी बड़ी कैसे हो गईं। आरोप लगा कि एक्ट्रेस ने जल्दी बड़ा दिखने के लिए अपनी मां, जो डर्मेटोलॉजिस्ट हैं, से हार्मोनल इंजेक्शन लिए। हालांकि इन आरोपों को एक्ट्रेस ने सिरे से खारिज भी किया।

सुर्खियां उन्होंने तब भी बटोरी, जब वह अपने से 18 साल बड़े एक्टर के साथ रोमांस करती नजर आईं। महज 16 साल की उम्र में फिल्म आपका सुरूर में हिमेश रेशमिया के साथ रोमांस किया। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यूटेंट का अवॉर्ड भी मिला।

इसके अलावा, हंसिका मोटवानी को घर तोड़ने वाली औरत का भी टैग मिला। 4 दिसंबर, 2022 को एक्ट्रेस अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सोहेल कथुरिया संग जयपुर के मुंदोता फोर्ट में शादी की। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर उनकी शादी का एक डॉक्यूमेंट्री शो मौजूद है। इस शो का नाम लव, शादी, ड्रामा है। बता दें कि सोहेल कथुरिया ने 2006 में हंसिका मोटवानी की दोस्त रिंकी बजाज से गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। उनकी शादी में हंसिका भी शामिल हुई थीं। यही वजह है कि उन पर अपनी दोस्त का घर तोड़ कर अपना घर बसाने का आरोप लगा।

अजब-गजब | इस शहर को दूर-दूर से देखने आते थे लोग

वो भुतहा शहर जहां रहा करते थे 10 हजार लोग

इंग्लैंड का लंदन या अन्य शहर अपनी अनोखी वास्तुकला के दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। यॉर्कशायर या ब्राइटन के खूबसूरत इलाकों को देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जब अंग्रेजों का दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में राज रहा, तो उन्होंने वहां पर भी अपने देश का छोटा प्रारूप बनाने की कोशिश की। सिर्फ शहर ही नहीं, इंग्लैंड के गांव भी ऐसे लाजवाब थे, कि चीन जैसे देश की सरकार ने भी उनकी नकल की और एक खास शहर का निर्माण अपने देश में करवाया, जहां जाने पर किसी को भी लगेगा कि वो इंग्लैंड पहुंच गए हैं। मगर आज ये शहर, 'भूतिया' माना जात है। चलिए आपको इस शहर के बारे में बताते हैं।

शंघाई के दक्षिण-पश्चिमी ओर, सॉन्गजियांग जिला है, जहां थेम्स टाउन स्थित है। नाम से ही आप समझ गए होंगे कि इसका नाम इंग्लैंड की थेम्स नदी के नाम पर रखा गया है। चीन की सरकार ने फैसला किया था कि वो एक ऐसे कस्बे या छोटे शहर को शंघाई शहर के बाहर बसाएंगे, जो इंग्लैंड के पुराने गांवों की नकल होगा। तब इस शहर का निर्माण शुरू हुआ जो 2006 में पूरा हुआ था।

इस शहर को 10 हजार लोगों के रहने के लिए बनाया गया था। पर धीरे-धीरे शहर के पार्मानेंट नागरिक यहां से जाते गए और आज ये

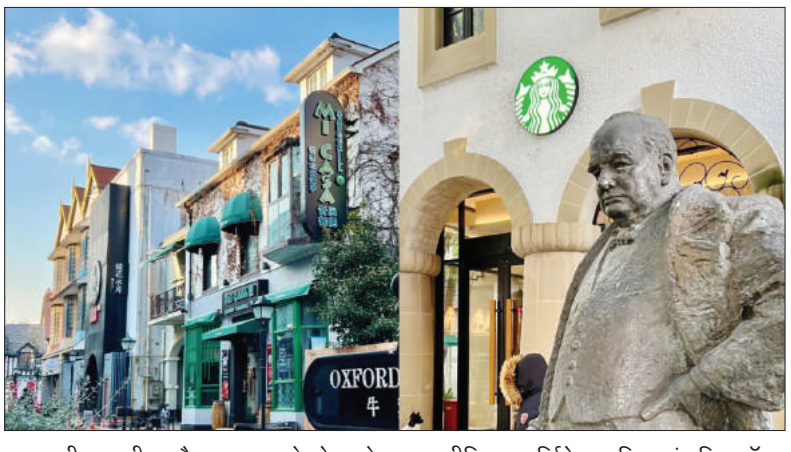

शहर पूरी तरह वीरान है। इस वजह से लोग इसे 'भूतिया शहर' मानते हैं। अब इस शहर को देखने के लिए टूरिस्ट आते हैं, पर यहां कोई रहता नहीं है। इस शहर में चलने वाले लगभग सारे व्यापार बंद हो चुके हैं।

इंग्लैंड के गांवों की तरह यहां पर भी विक्टोरियन काल की इमारतों की नकल बनाई गई हैं, लंदन के तर्ज पर रास्तों के बगल में लाल टेलिफोन बॉस लगे हैं, जेब्रा क्रॉसिंग बनी हैं और बड़ा चर्च भी है। घरों के डिजाइन भी इंग्लिश शहरों की तरह ही बनाए गए हैं। थेम्स टाउन में पब, पीरियड आर्किटेक्चर, फिश एंड चिप शॉप, और आर्टिफिशियल नदी भी मौजूद है जो थेम्स की नकल है। इस शहर में विंस्टन चर्चिल, हैरी पॉटर, क्वीन्स गार्ड आदि से जुड़ी भी कई ऐसी चीजें बनी हैं, जो लोगों को इंग्लैंड की याद दिलाती हैं। शहर खाली होने का मुख्य कारण ये है कि ये शहर लोगों की परंपराओं, मान्यताओं और चीनी सभ्यता से मैच नहीं करता। भले ही इस शहर में पर्मानेंट नागरिक नहीं हैं, पर चीनी लोगों के बीच ये जगह शादी के लिए फेमस डेस्टिनेशन बन गई है।

छूते ही गुस्से में आ जाता है ये पौधा चुन-चुनकर लेता है छूने वाले से बदला!

आपने इंसानों को लड़ाई-झगड़े के दौरान एक दूसरे को कभी हाथों से तो कभी हथियारों से मारपीट करते हुए देखा होगा। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि हथियार चलाने और गोलियां दागने का काम सिर्फ इंसानों का है। अपने दुश्मनों को मुहतोड़ जवाब देने की काबिलियत कुछ पौधों में भी है। आज एक ऐसे ही पौधे की बात करेंगे, जो बदला लेने में एक्सपर्ट है।

आपने इंसानों को गुस्से में आकर बदला लेते हुए देखा होगा। आज हम आपको ऐसे पौधे के बारे में बताएंगे, जो छूते ही इस तरह गुस्सा होता है कि तड़ातड़ गोलियां दागना शुरू कर देता है। कुदरत में इतने रहस्य छिपे हैं, जो हम जान ही नहीं सकते। एक ऐसा ही रहस्यमयी पौधा है वुड सोरेल प्लांट, जिसकी खासियत ये है कि ये पौधा खुद को छूने वाले की नाक में दम कर देता है। वुड सोरेल प्लांट नाम का ये पौधा कमाल का है। इस पौधे को बिल्कुल नहीं पसंद है कि उसे कोई छुए। ये लाजवंती के पौधे की तरह शर्म से सिकुड़ता नहीं है बल्कि खुद को छेड़ने वाले को खोज-खोज कर अपना बदला लेता है। सोशल मीडिया पर इस पौधे का वीडियो आप आसानी से देख सकते हैं, जो स्पर्श महसूस करते ही फट-फटकर ब्लास्ट करने लगता है।

वुड सोरेल प्लांट को ब्राजील, मैक्सिको और साऊथ अफ्रीका में पाया जाता है। ये पौधा अपनी संग्रहित तनाव ऊर्जा के कारण अपने बीजों को 4 मीटर दूर तक बेहद तेजी से फेंक सकता है। ये पौधे उसी वस्तु को लक्ष्य बनाकर बीज फेंकते हैं, जो उन्हें ट्रिगर करती है। हालांकि ये नज़ारा देखने लायक होता है और अगर सावधान न रहा जाए तो इससे चोट भी लग सकती है। है ना दिलचस्प बात!

संविधान में सभी को आजादी से जीने का अधिकार : सिसोदिया

» सोशल मीडिया पर पूर्व डिप्टी सीएम ने पत्नी संग पोस्ट की फोटो

» हनुमान मंदिर में आप नेता ने की पूजा-अर्चना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। मनीष सिसोदिया ने कहा, भगवान बजरंग बली ने मुझे आशीर्वाद दिया है। अरविंद केजरीवाल पर भी बजरंग बली का विशेष आशीर्वाद है और आप देखिए कि अरविंद केजरीवाल को भी बजरंग बली का इसी तरह आशीर्वाद मिलेगा। शनिवार की सुबह उन्होंने अपनी पत्नी सीमा सिसोदिया के साथ चाय पीते हुए एक फोटो अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की।

फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, आजादी की सुबह की पहली चाय 17 महीने बाद!

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ईडी-सीबीआई हुई बेनकाब: आप

वह आजादी जो संविधान ने हम सब भारतीयों को जीने के अधिकार की गारंटी के रूप में दी है। वह आजादी जो ईश्वर ने हमें सबके साथ खुली हवा में सांस लेने के लिए दी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को जमानत दे दी है। करीब 17 महीने जेल में रहने के बाद मनीष सिसोदिया की जमानत की खबर आते ही आम आदमी पार्टी जश्न में डूब गई। पार्टी मुख्यालय पर ढोल-नगाड़े बजने लगे और नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्य की जीत बताया। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार और ईडी-सीबीआई पर हमला बोला है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी बेनकाब हो गई हैं। आप के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक और पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने सिसोदिया को जमानत मिलने को लेकर संयुक्त प्रेसवार्ता की। इस दौरान पाठक ने कहा कि सिसोदिया ने लाखों बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों को न केवल सुधारा, बल्कि उन्हें विश्वस्तरीय बनाया है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में लोग निजी स्कूलों से अपने बच्चों का नाम कटवाकर सरकारी स्कूलों में दाखिला करवा रहे हैं।

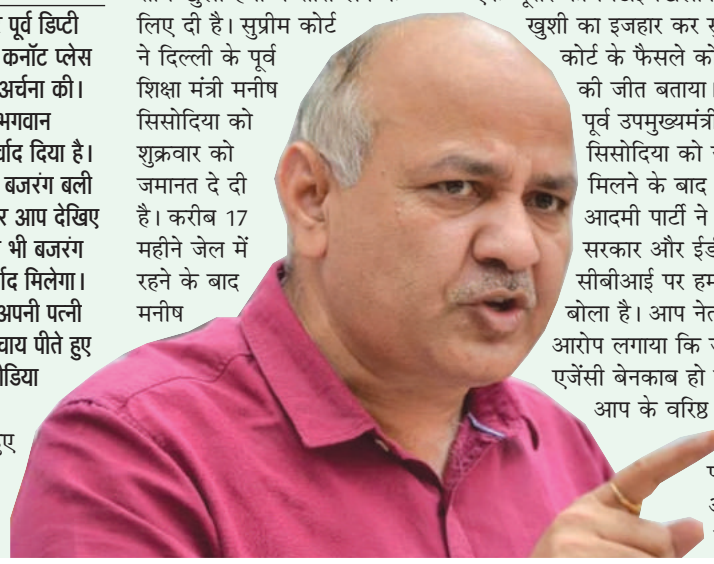

भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं : सुनीता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। जबकि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि मनीष सिसोदिया की जमानत सत्य की जीत है। वहीं, सांसद संजय सिंह, मंत्री सौरभ भारद्वाज, विधायक दुर्गेश पाठक समेत आप के कई अन्य वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के घर पहुंचे और उनके परिवार को बधाई दी।

अन्याय और तानाशाही को हारना पड़ता है : सोरेन

» बोले- न्याय पर भरोसा, हमेशा होती है लोकतंत्र की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को देश की सर्वोच्च अदालत ने जमानत दे दी है। इस पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लोकतंत्र की जीत बताया। हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि यह तानाशाही और अन्याय को हारना पड़ता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी है। वह पिछले 17 महीनों से हिरासत में थे। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह लोकतंत्र की जीत और अन्याय और तानाशाही की हार है।

उन्होंने सर्वोच्च अदालत का धन्यवाद किया और मनीष सिसोदिया को शुभकानाएं दी। सोरेन ने अपने पोस्ट में आगे कहा, उनका (सिसोदिया) संघर्ष इतिहास बनेगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद, मनीष जी का हार्दिक अभिनंदन। उनका संघर्ष इतिहास बनेगा एवं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि सिसोदिया 17 महीनों से हिरासत में है और मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ। इससे वह त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित रह गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था।

आस्तीन के सांपों से बचे पार्टी के कार्यकर्ता : दिग्विजय सिंह

» पूर्व सीएम ने नागपंचमी पर दी अजीब सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आस्तीन के सांपों से सचेत रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी दिवस और नागपंचमी है। नागपंचमी पर नाग की पूजा करें, लेकिन आस्तीन के सांपों से सचेत रहें। ग्वालियर में दिग्विजय भिंड के लहार में पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह की कोठी को तोड़ने के विरोध में हो प्रदर्शन में शामिल होना था।

दिग्विजय ने होटल में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उनके बयान का पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव ने भी समर्थन किया है। अरुण ने कहा है जो राजा साहब ने बात कही है, वो सच है। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। भिंड के लहार में दिग्विजय सिंह ने कहा कि कोई भी भाजपा का कार्यकर्ता सामने निकलकर आए कि मेरे ऊपर अत्याचार किया हो तो मैं माफी मांगूंगा। लहार में आज कांग्रेस की विशाल जंगी सभा में पूर्व मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि मैं किसी के ऊपर कभी अत्याचार नहीं किया। अगर कोई है तो सामने लाओ मैं माफी मांगने के लिए तैयार हूं।

अपने गौरवशाली इतिहास से रूबरू हुए युवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में काकोरी ट्रेन एक्शन के की 100वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी लखनऊ, प्रो सुधीर कुमार चौहान का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य, प्रो सुमन गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि के विशेष कार्यक्रम किए गए। मुख्य अतिथि चौहान एवं प्रो गुप्ता ने तिरंगे रंग के गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर काकोरी की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में एक स्मृति वाटिका का भी उद्घाटन विज्ञान संकाय में मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए उन्हें काकोरी ट्रेन एक्शन के की एतिहासिक पृष्ठभूमि के विषय में जानकारी दी तथा उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम इतिहास से प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा एक साइकिल एवं पद यात्रा निकाल कर काकोरी के अमर शहीदों को श्रद्धाजलि दी गयी। महाविद्यालय द्वारा आयोजित साइकिल रैली में एनएसएस ने भाग लिया।

बिजली पासी महाविद्यालय में काकोरी ट्रेन एक्शन समारोह का हुआ शुभारंभ

डॉ. सनोबर ने काकोरी ट्रेन एक्शन डे की पृष्ठभूमि बताई

एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. सनोबर हैदर ने अपने सम्बोधन में इस घटना के कई अनछुए प्रसंग सभी से साझा किये और छात्र/छात्राओं से क्रांतिकारियों के जीवन से त्याग और बलिदान की प्रेरणा ग्रहण को कहा। इस अवसर पर डॉ. शकुंतला गिरि डॉ. सनोबर हैदर डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. देवर्षि कुमार मिश्र सहित छात्र/छात्राओं की पर्याप्त उपस्थिति रहीं संगोष्ठी का संचालन डा. राघवेन्द्र मिश्र ने किया।

अमन सहरावत ने लगाया कांसे पर दांव

» कुश्ती में भारत को मिला पहला पदक, जीता ब्रॉन्ज मेडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में आखिरकार कुश्ती में भारत को पहला मेडल मिल ही गया। दरअसल पहलवान अमन सहरावत ने 57 किलो कैटेगरी में प्यूर्टो रिको के पहलवान को पछाड़कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके साथ ही भारत की झोली में छठा मेडल आ गया है। इसके साथ ही अमन ओलंपिक में मेडल जीतने वाले सातवें भारतीय रेसलर बन गए हैं।

बता दें कि, अमन सहरावत को सेमीफाइनल मैच में जापान री हिगुची के हाथों 0-10 से हार का सामना करना पड़ा था। अमन सेमीफाइनल मैच में पहली वरीयता प्राप्त जापानी रेसलर के खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाए और मुकाबला सिर्फ 2 मिनट 14 सेकंड तक चला। आखिर के बचे हुए दो मिनट के खेल में अमन ने प्यर्टो रीको के रेसलर पर 8-5 की बढ़त बना ली थी। इस दौरान क्रूज डेरिन टोई अमन के बिल्कुल ही बेदम नजर आए। हालत ऐसी हो गई थी कि उन्हें ब्रेक तक लेना पड़ा गया। आखिर के बचे हुए एक मिनट में तो अमन ने 12-5 की लीड हासिल कर ली थी। समय खत्म होने के साथ ही अमन ने 13 पॉइंट लेकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस तरह 14वें दिन भारत की झोली में छठा मेडल आ गया।

स्वदेश लौटी भारतीय हॉकी टीम का धमाकेदार स्वागत

52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम लगातार ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने में सफल रही है। आज स्वदेश लौटे पर एयरपोर्ट पर धूमधाम से उनका स्वागत हुआ। भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार कांस्य पदक जीतने में सफल रही। पिछली बार यह उपलब्धि 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में मिली थी। भारतीय हॉकी टीम अब स्वदेश लौट आई है। पूरा देश इसका जश्न मना रहा है। दिल्ली एयरपोर्ट पर हॉकी टीम का स्वागत किसी हीरो से कम नहीं था। खिलाड़ी ढ़ोल की धून पर डांस कर रहे थे। सभी को माला पहना कर स्वागत किया गया। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बताया, पदक तो पदक होता है, देश के लिए जीतना बड़ा काम है। हम सोने का सपना देख रहे थे, लेकिन ये सपना पूरा नहीं हुआ. लेकिन, हम खाली हाथ नहीं आए, लगातार दो पदक जीतना अपने आप में रिकॉर्ड है।

क्रीमीलेयर के मामले में केंद्र सरकार पर भड़कीं मायावती, कहा-

आरक्षण में उपवर्गीकरण पर मोदी सरकार ने नहीं की ठीक से पैरवी

» बसपा प्रमुख बोलीं- सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के पदों में भी लागू किया जाए एससी-एसटी आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने और उपवर्गीकरण किए जाने पर कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट में ठीक से पैरवी नहीं की है। उन्होंने कहा कि केंद्र को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर संसद में कानून लाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मायावती ने कहा कि नौकरियों को खत्म कर संविदा पर कर्मचारी रखना आरक्षण को खत्म करने का ही प्रयास है। उन्होंने कहा कि भाजपा व कांग्रेस आरक्षण के खिलाफ रही है।

मायावती ने मांग की है कि अब समय की जरूरत है कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के पदों पर भी एससी-एसटी आरक्षण लागू किया जाए। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस-सपा व आप ने संविधान बचाने और आरक्षण बचाने की बात कहकर अपनी सीटें बढ़ा ली हैं। इन लोगों को भी अब अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर कहा कि केंद्र इसकी जिम्मेदारी राज्यों को न देकर खुद जातीय जनगणना करवाए।

रिजर्वेशन में क्रीमी लेयर लागू नहीं होगा : केंद्र सरकार

अनुसूचित जाति और जनजातियों (एसी-एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को संसद भवन में उनसे मिलने आए 100 दलित सांसदों को यह आश्वासन दिया। देर शाम केंद्र ने इसकी घोषणा भी कर दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने 1 अगस्त को यह टिप्पणी की थी कि एसी-एटी में भी क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। इसे लेकर दलित सांसदों ने पीएम से मिलकर अपनी चिंता जताई थी। 9 अगस्त की शाम में कैबिनेट मीटिंग हुई। इसके बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एनडीए सरकार बीआर अंबेडकर के बनाए गए संविधान से बंधी है। इस संविधान में एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है।

जब तक मैं हूं तब तक आरक्षण को कोई समाप्त नहीं कर सकता है : चिराग

भाजपा की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने कहा कि आरक्षण के मूलभूत प्रावधानों में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में लोजपा (रामविलास) ने लिखा कि पार्टी अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी के अथक प्रयासों की वजह से आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ एक लंबे दौर की बातचीत के पश्चात उनके समर्थन में कहा की एनडीए सरकार बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा बनाए गए आरक्षण के मूलभूत प्रावधानों में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। साथ ही पूर्व की व्यवस्था के साथ ही लागू रहेगा।

सरकार ध्रुवीकरण एजेंट के रूप में मुसलमानों को इस्तेमाल कर रही है : मीरवाइज

» वक्फ विधेयक पर हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता व्यक्त करते हुये उन्हें 'धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप' बताया और आरोप लगाया कि सरकार मुसलमानों को 'चुनावी उद्देश्यों के लिए ध्रुवीकरण एजेंट' के रूप में इस्तेमाल कर रही है। यहां जामिया मस्जिद में लोगों को संबोधित करते हुए मीरवाइज ने कहा कि संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किए जाने से भारत में मुसलमानों और स्वाभाविक रूप से मुस्लिम बहुल जम्मू कश्मीर में 'बड़ी पीड़ा और चिंता' पैदा हुई है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश किया गया और चर्चा के बाद इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया, जिसमें सरकार ने कहा कि प्रस्तावित कानून का मस्जिदों के कामकाज में हस्तक्षेप करने का इरादा नहीं है और विपक्ष ने इसे मुसलमानों को निशाना बनाने वाला और संविधान पर हमला बताया। मीरवाइज ने कहा, ''बोर्ड की संरचना में बदलाव समेत कई विवादास्पद प्रावधान इसमें प्रस्तावित किए गए हैं। गैर-मुस्लिमों को अब बोर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा और एक गैर-मुस्लिम को बोर्ड का सीईओ भी बनाया जा सकता है, जो धार्मिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप है।

घाटी में जल्द होंगे इलेक्शन : चुनाव आयुक्त

जम्मू। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव करवाने के संकेत दिए हैं। आयोग की टीम ने प्रदेश के अपने दो दिवसीय दौरे पर चुनाव के लिए मौजूदा अनुकूल परिस्थितियां पाई हैं। आयोग ने साफ किया है कि चुनाव में किसी भी आंतरिक या बाहरी ताकत को खलल डालने का मौका नहीं दिया जाएगा। आयोग जल्द नई दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों के साथ जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की जरूरत और सुरक्षा समीक्षा के बाद चुनाव तिथियों पर फैसला लेगा। 19 अगस्त को संपन्न हो रही अमरनाथ यात्रा के बाद इस पर निर्णय लिया जा सकता है। यहां शुक्रवार को आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने बताया कि आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हिंसा और आतंकी घटनाएं चुनाव को टाल नहीं सकती हैं। ऐसी ताकतों से निपटने के लिए राज्य प्रशासन सक्षम है। जम्मू-कश्मीर के सभी दलों ने एक सुर में जल्द विधानसभा चुनाव पर जोर दिया है।

जज और वकीलों के कामकाज में फर्क होता है: चंद्रचूड़

बोले- न्यायाधीश हमेशा रेत पर अपने 'कदमों की छाप' छोड़ता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने अदालत में न्यायाधीशों और वकीलों के कामकाज को लेकर विशेष टिप्पणी की है। सीजेआई ने न्यायमूर्ति एपी सेन के कथन को याद करते हुए कहा कि, 'एक न्यायाधीश और एक वकील के बीच फर्क होता है।

न्यायाधीश द्वारा हमेशा रेत पर अपने 'कदमों की छाप' छोड़ी जाती है। ये कदमों की छाप वे लिखित शब्द हैं, जो एक न्यायाधीश द्वारा

गढ़े जाते हैं। इसके अलावा, एक वकील द्वारा दिए गए तर्क चाहे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, वे तर्क आने वाली पीढ़ियों के लिए लुप्त हो जाते हैं।भारत में न्यायालयों में प्रौद्योगिकी के परिदृश्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में मुझे बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। मैं इसे लेकर कोई फैसला नहीं ले पा रहा था कि क्या मुझे इस पद को स्वीकार कर लेना चाहिए। इसके लिए मैंने बहुत से विद्वान लोगों से परामर्श लिया।

अभी जारी रहेगा पूरे देश में मूसलाधार बारिश का कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में आज यानी 10 अगस्त को भी झमाझम बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिल्ली-यूपी व तमिलनाडु समेत कई राज्यों में आज तेज बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है।

बता दें कि कई राज्यों में भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, आज तमिलनाडु, केरल, बिहार, पश्चिम झारखंड, उत्तर और चरम दक्षिण-पूर्व हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरी महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

बंगाल में महिला डॉक्टर की हत्या पर बवाल

» छात्र संगठनों का सड़क जाम कर प्रदर्शन

» बीजेपी ने की सीबीआई जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सेमिनार रूम में शुक्रवार सुबह एक जूनियर महिला डॉक्टर की हत्या कर दी गई। सेमिनार हॉल से उसका अर्धनग्न शरीर बरामद किया गया था। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

यह मामला अब राजनीतिक रूप ले चुका है। जहां एक तरफ वामपंथी छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर आए हैं तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रही है।

कांग्रेस ने कहा निष्पक्ष जांच हो

वामपंथी छात्र संगठन ने कहा कि वे इस हत्या के विरोध में शनिवार और रविवार को पूरे पश्चिम बंगाल में सड़क जाम करेंगे। छात्र संगठन के इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल होने पहुंचे। एक कांग्रेसी कार्यकर्ता ने कहा, हम चाहते हैं कि मामले की जांच के लिए जो समिति बनाई गई है, उसमें निष्पक्ष जांच के लिए कांग्रेस का भी प्रतिनिधित्व हो।

11 सदस्यीय जांच समिति में प्रशिक्षु रखना दुर्भाग्यपूर्ण : शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने छात्र संगठनों से राज्य सरकार की असुविधाजनक प्रतिक्रिया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की भी अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि मृतक के शरीर में चोट के निशान थे। उन्होंने कुछ रिपोर्ट्स का जिक्र किया, जिसमें पीड़िता का गला घोंटने और दुष्कर्म का दावा किया गया था। भाजपा नेता ने मामले की जांच के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। दरअसल, इस जांच समिति में प्रशिक्षु भी शामिल हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर इस मामले को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया है।

आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जायेगा : सौगत राय

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत राय ने कहा कि उन्होंने दस्तावेजों की समीक्षा की है और उम्मीद जताई की आरोपियों को जल्द जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। भाजपा विधायक अग्निमित्र पाल ने भी इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के अस्पताल द्वारा दोबारा पोस्टमॉर्टम जरूरी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।